हिन्दी वैज्ञानिक संगोष्ठी आयोजन समिति

डॉ दीपक कुमार सिन्हा, निदेशक, पखनि संरक्षक
श्री वी सरवणन, अ. निदेशक (प्रचा-I), पखनि उप संरक्षक

राजभाषा कार्यान्वयन समिति

डॉ कल्याण चक्रवर्ती, क्षेत्रीय निदेशक अध्यक्ष
श्री प्रेम कुमार शर्मा, उप क्षेत्रीय निदेशक उपाध्यक्ष
श्री कौशलेन्द्र कुमार सिन्हा, वै°अ°-जी संयोजक

श्री हनुमंत बिहारी श्रीवास्तव, वै°अ°-एफ सह-संयोजक

सम्पादन एवं प्रकाशन समिति

श्री कौशलेन्द्र कुमार सिन्हा, वै. अ-जी अध्यक्ष
श्री चन्द्रशेखर खोरगे, वै. अ-जी सदस्य
श्री बि. पाणिग्राही, वै. अ-जी सदस्य
श्री एम. के. बिरुवा, वै. अ-एफ़ सदस्य
श्री हनुमंत श्रीवस्ताव, वै. अ-एफ़ सदस्य
श्री शैलेश त्रिपाठी, वै. अ-एफ़ सदस्य
श्री दिबाकर घोष, वै. अ-ई सदस्य
श्रीमति अखिला वी. आर., वै. अ-डी सदस्य
श्री अर्घ्य मण्डल, वै. अ-डी सदस्य
श्री अंकुर त्रिवेदी, त. अ-डी सदस्य
श्री निर्मल मुर्मु, प्रारूपकार-डी सदस्य

आयोजन समिति

श्री डी. भट्टाचार्य, वै. अ-जी अध्यक्ष
श्री एस. के. खिरवाल, वै. अ-जी सदस्य
श्री बि. पाणिग्राही, वै. अ-जी सदस्य
श्री एन. आर. आर. एक्का, वै. अ-एफ़ सदस्य
श्री एस. सी. दास, वै. अ-ई सदस्य
सुश्री के. पुष्कला, वै. अ-सी सदस्य
श्री विश्वास कुमार, त. अ-डी सदस्य
श्री जेरिन वर्गीज, वै. स-सी सदस्य
श्री मयूर पी. धुरी, उप-वेतन अधिकारी सदस्य
श्री राजीव कठेरिया, सहायक कार्मिक अधिकारी सदस्य
श्री बिनोद सुंडी, सुरक्षा अधिकारी सदस्य
श्री अजय कुमार, सहायक सदस्य
श्री मुरली कृष्णा रेड्डी, त. अ-डी सदस्य
श्री रोशन लाल कर्ण, प्र°श्रे°लि° सदस्य
श्री शशांक, प्र°श्रे°लि° सदस्य
श्रीमति अपर्णा महतो, कार्य सहायक-बी सदस्य

हिन्दी वैज्ञानिक संगोष्ठी
सिंहभूम-ओडिशा क्रेटन का भूवैज्ञानिक महत्व एवं खनिज संपदा - वर्तमान परिदृश्य, नए आयाम तथा भविष्य में चुनौतियाँ

दिनांक: 10-11 मार्च, 2022

उपविषय:
(1) भूवैज्ञानिक एवं संरचनात्मक इतिहास एव मॉडलिंग
(2) धातु जननिक प्रक्रियाएं एवं खनिजीकरण
(3) अन्वेषण, खनन, सज्जीकरण एवं खनिज अर्थशास्त्र
(4) सामरिक एवं क्रांतिक खनिजों का अन्वेषण एवं दोहन
(5) आधुनिक एवं नवीन अन्वेषण एवं विश्लेषणात्मक तकनीकें।

सेवा में,
....
....
....
....
....

प्रेषक:
श्री कौशलेन्द्र कुमार सिन्हा,
वैज्ञानिक अधिकारी-जी
संयोजक, वैज्ञानिक संगोष्ठी
परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय,
पूर्वी क्षेत्र, पखनि परिसर, खासमहल,
जमशेदपुर, झारखंड-831002
ई-मेल: kksinha.amd@gov.in
दूरभाष: 0657-2296276 Extn. 227.
मो°: +91-8219104358

हिन्दी वैज्ञानिक संगोष्ठी
सिंहभूम-ओडिशा क्रेटन का भूवैज्ञानिक महत्व एवं खनिज संपदा - वर्तमान परिदृश्य, नए आयाम तथा भविष्य में चुनौतियाँ

दिनांक: 10-11 मार्च, 2022

TECHNOLOGIES FOR
NEW INDIA@75
आज़ादी का अमृत महोत्सव

राष्ट्र की सेवा में परमाणु
प ख नि
AMD
ATOMS IN THE SERVICE OF THE NATION

आयोजक
राजभाषा कार्यान्वयन समिति
परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय
परमाणु ऊर्जा विभाग
पूर्वी क्षेत्र, जमशेदपुर

हिन्दी वैज्ञानिक संगोष्ठी

दिनांक: 10-11 मार्च 2022

भूवैज्ञानिक दृष्टिकोण से, प्रायद्वीपीय भारत की दो प्रमुख भू- पर्पटीय संरचनाएं-उत्तर में सोन-नर्मदा-ताप्ती रिफ्ट और दक्षिण में गोदावरी ग्रेबन के बीच में अवस्थित पूर्वी भारत एक विविध भूवैज्ञानिक डोमेन और असाधारण फिजियोग्राफी के मोज़ेक रूप में विद्यमान हैं। विविधता से भरे इसी भूवैज्ञानिक डोमेन में सिंहभूम-ओडिशा क्रेटन शामिल है, जो दुनिया के सबसे पुरातन क्रेटनों में से एक है, और इसमें हैडियन युग से लेकर अभिनव तक की चट्टानें विद्यमान हैं। सिंहभूम शियर ज़ोन (एसएसज़ेड), सिंहभूम क्रेटन को घेरता हुआ एक ~ 200 किमी लंबा धनुषाकार संरचनात्मक तत्व है, जो इसे एक अन्य भूवैज्ञानिक डोमेन- प्रोटेरोज़ोइक धालभूम मोबाइल बेल्ट और छोटानागपुर नाइसिक कॉम्प्लेक्स (CGC) से अलग करता है। यह देश का सबसे समृद्द धातु जननिक क्षेत्र है, जहाँ से विभिन्न धातुएं ऐतिहासिक काल से प्राप्त की जाती रही है। एसएसजेड के अलावा, सिंहभूम-ओडिशा क्रेटन में अन्य धातु और गैर-धातु खनिजें जैसे कि, सोना (Au), लोहा (Iron), मेंगनीज (Mn), क्रोमियम (Cr), विरल मृद्दा तत्व (Rare Earth Elements), अभ्रक (Mica), चुना पत्थर (Limestone), कोयला (Coal), बॉक्साइट (Bauxite), ग्रेफाइट (Graphite) और बहुमूल्य रत्न (Gemstones) आदि के समृद्ध संसाधन विद्यमान हैं। एसएसजेड देश में क्रियाशील यूरेनियम खानों का दावा करने वाला एकमात्र भूवैज्ञानिक डोमेन है। यह संभवतः दुनिया का एकमात्र, यूरेनियम निक्षेप का स्थल भी है, जहां अल्ट्रा-माफिक चट्टानों द्वारा अतिथेय यूरेनियम निक्षेप प्रमाणित किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, इस क्षेत्र में हीलियम की भी अपार संभावनाएँ है, जो अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों में व्यापक प्रयोज्यता के कारण सामरिक तत्व का दर्जा रखता है। पखनि ने हाल ही में बक्रेश्वर-तंतलोई भूतापीय प्रांत में हीलियम की खोज आरंभ की है। इस प्रकार, सिंहभूम-ओडिशा क्रेटन क्षेत्र अपनी भूवैज्ञानिक पुरातनता, जटिलता और खनिज सम्पदा की समृद्धि के कारण हमेशा विभिन्न धाराओं के भूवैज्ञानिकों को अपनी ओर आकर्षित करती रही है और लंबे समय से उनकी कर्मस्थली बनी हुई है।

देश और समाज के विकास में विभिन्न खनिज सम्पदा जैसे प्राकृतिक संसाधनों का अतिविशिष्ट महत्व एवं योगदान रहा है। इस संदर्भ में, पूर्वी भारत का अपना एक विशिष्ट स्थान है। अतः इस क्षेत्र में परमाणु एवं अन्य धात्विक खनिजों का अन्वेषण व दोहन के साथ-साथ क्षेत्र के भूवैज्ञानिक उत्थान और विकास पर परिचर्चा हेतु, पखनि, पूर्वी क्षेत्र, जमशेदपुर में 10-11 मार्च, 2022 को वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। अतः, इस संगोष्ठी हेतु वैज्ञानिक शोध-पत्र/ आलेख आमंत्रित है।

संगोष्ठी के विषय तथा उप-विषयों को ध्यान में रखते हुए सारांश व पूर्ण शोधपत्र/ आलेख यूनिकोड फॉन्ट (फॉन्ट आकार-11)में ई-मेल द्वारा संयोजक, वैज्ञानिक संगोष्ठी या क्षेत्रीय निदेशक, पूर्वी क्षेत्र, जमशेदपुर को भेजे जा सकते है।

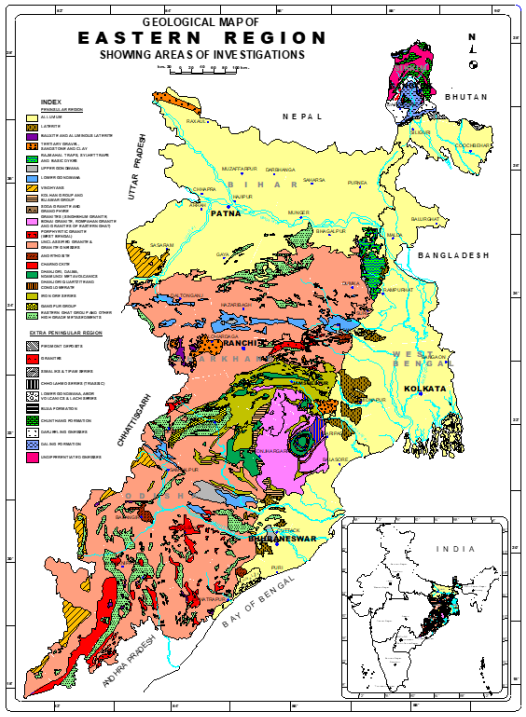

निर्धारित तिथियाँ

सारांश प्राप्ति की अंतिम तिथि	21 फरवरी, 2022
पूर्ण शोध पत्र/लेख प्राप्ति की अंतिम तिथि	28 फरवरी, 2022
संगोष्ठी आयोजन	10-11 मार्च, 2022

हिन्दी वैज्ञानिक संगोष्ठी

सिंहभूम-ओडिशा क्रेटन का भूवैज्ञानिक महत्व एवं खनिज संपदा - वर्तमान परिदृश्य, नए आयाम तथा भविष्य में चुनौतियाँ

दिनांक: 10-11 मार्च, 2022

पंजीकरण प्रपत्र

नाम:
पदनाम:
पता:

.....
.....
.....
.....

दूरभाष:
ई-मेल:
शोध पत्र/ लेख का विषय:
.....
.....
.....

लेखकों के नाम:
.....
.....
.....